

उत्तर प्रदेश बोर्ड कक्षा 12 गणित पाठ्यक्रम 2025-26

(एनसीईआरटी पाठ्यक्रम पर आधारित)

परिचय

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (UPMSP) ने शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए कक्षा 12 गणित का अद्यतन पाठ्यक्रम जारी किया है। यह पाठ्यक्रम एनसीईआरटी के अनुरूप है और इसका उद्देश्य अवधारणात्मक समझ को मज़बूत करना तथा समस्या-समाधान कौशल को बढ़ाना है। गणित कक्षा 12 स्तर पर इंजीनियरिंग, वाणिज्य, अर्थशास्त्र और शोध जैसे उच्च शिक्षा क्षेत्रों की नींव रखता है। इस पाठ्यक्रम में कुल 6 इकाइयाँ शामिल हैं, जिनका कुल भारांक 100 अंक है। उत्तीर्ण होने के लिए छात्रों को न्यूनतम 33% अंक प्राप्त करना आवश्यक है। इसमें कलन (Calculus) को सबसे अधिक महत्व दिया गया है।

परीक्षा पैटर्न

कक्षा 12 गणित की बोर्ड परीक्षा की रूपरेखा:

- **कुल अंक:** 100 (केवल सिद्धांत, कोई प्रैक्टिकल नहीं)
- **समय अवधि:** 3 घंटे
- **उत्तीर्ण अंक:** 33% (33 अंक)
- **प्रश्न प्रकार:**
 - अति लघु उत्तरीय (1 अंक प्रत्येक)
 - लघु उत्तरीय (2-4 अंक प्रत्येक)
 - दीर्घ उत्तरीय (6 अंक प्रत्येक)
- प्रश्नपत्र में प्रत्यक्ष तथा अनुप्रयोग-आधारित प्रश्न होंगे।

पाठ्यक्रम विवरण

गणित का पाठ्यक्रम 6 इकाइयों में विभाजित है:

इकाई	अध्याय / विषय	अंक
संबंध और फलन	□ संबंध: प्रकार, परावर्ती, सममित, पारगमन, तुल्यता □ फलन: प्रकार, एक-एक, ओन-टू, संयोजन □ प्रतिलोम त्रिकोणमितीय फलन: परिभाषा, परिभाषित क्षेत्र, मान-क्षेत्र, मुख्य मान	10
बीजगणित	□ आव्यूह (Matrices): प्रकार, संक्रियाएँ, गुणधर्म □ सारणिक (Determinants): गुणधर्म, सहफल/कोफैक्टर, अनुप्रयोग, त्रिभुज का क्षेत्रफल □ आव्यूह का प्रतिलोम: सहसंजक व प्राथमिक रूपांतरण विधि	13
कलन (Calculus)	□ सततता और अवकलनीयता: सीमाएँ, अवकलज, श्रृंखला-नियम □ अवकलज के अनुप्रयोग: स्पर्शरेखा, अभिलंब, परिवर्तन की दर, अधिकतम/न्यूनतम □ समाकलन: अनिश्चित/निश्चित, मानक सूत्र, विधियाँ, गुणधर्म	44
सदिश एवं त्रिविमीय ज्यामिति	□ सदिश: डॉट/क्रॉस गुणनफल, दिशाकोण/दिशा-अनुपात, गुणधर्म □ त्रिविमीय ज्यामिति: रेखा व तल के समीकरण, कोण	17
रैखिक प्रोग्रामन	□ परिचय, गणितीय रूपरेखा □ ग्राफ पद्धति द्वारा समाधान, कोना-बिंदु पद्धति	6
प्रायिकता	□ सापेक्षिक प्रायिकता, गुणन-प्रमेय □ बेयस प्रमेय और अनुप्रयोग □ यादृच्छिक चर व प्रायिकता वितरण; माध्य व विचलन	10
कुल		100

भारांक विश्लेषण

- कलन (44 अंक) – सबसे महत्वपूर्ण; लगभग आधा प्रश्नपत्र।
- सदिश □ 3-डी (17 अंक) – अवधारणा स्पष्ट होने पर अंक-प्राप्ति योग्य।
- बीजगणित (13 अंक) – आव्यूह/सारणिक पर विशेष ध्यान।
- प्रायिकता (10 अंक) – तार्किक व सूत्र-आधारित प्रश्न।
- संबंध व फलन (10 अंक) – प्रतिलोम त्रिकोणमिति प्रमुख।
- रैखिक प्रोग्रामन (6 अंक) – ग्राफ आधारित, सरल।

तैयारी सुझाव

1. कलन पर फोकस: प्रतिदिन अवकलज, समाकलन का अभ्यास करें।
2. बीजगणित मज़बूत करें: आव्यूह/सारणिक के गुणधर्म दोहराएँ।
3. ज्यामिति को दृश्य बनायें: 3-डी समस्याओं में आरेख बनाकर हल करें।
4. पिछले प्रश्नपत्र: कम-से-कम 5–10 वर्षों के पेपर हल करें।
5. समय प्रबंधन: रोज़ाना 3 घंटे अभ्यास व पुनरावृत्ति।

आधिकारिक अपडेट्स के लिए: www.upmsp.edu.in